हवेलियाँ

→ पटवों की हवेली → जैसलमेर

→ निर्माण → गुमान चंद बाफना ने

→ पीले पत्थरों से बनी है

सर्वाधिक हवेली → नवलगढ़ → झुंझुनू

नवलगढ़ → शेखावटी की स्वर्णनगरी

↳ हवेलियों का नगर → नवलगढ़

→ नथमल की हवेली → जैसलमेर

→ बैरिसाल के दीवान नथमल ने बनवायी

→ हाथी | लालू | भाइयो

→ बागौर की हवेली → उदयपुर

→ निर्माण → अमर चन्द ने करवाया

→ पगड़ीया रखी गयी है

→ यहा कठपुतलियों का संग्रहालय बना है

→ 2017 मे 25 रुपये का डाक टिकट भी जारी हुआ

सालीम सिंह की हवेली

→ सालिम सिंह की हवेली → जैसलमेर
→ निर्माण → सालिम सिंह ने
→ 9 मंजिला
→ ऊपर की दो मंजिल
↳ इन्हे शीश महल कहा जाता था
↳ ऊपर की दो मंजिल लकड़ी की बनी हुयी थी

नोट → वर्तमान मे ऊपर की दो मंजिल हटा दी गयी

भामाशाह की हवेली ✓

जयमल की हवेली ✓

सलुम्बर ठिकाने की हवेली

→ चित्तौड़गढ़

केसरी सिंह बारहठ की हवेली → शाहपुरा

बादशाह की हवेली → अजमेर → बादशाह की सवारी

↓ ब्यावर

सुनहरी कोठी → टोंक

जालिम सिंह की हवेली → कोटा

बड़े देवता की हवेली → कोटा

सिंघानिया की हवेली → सीकर

नंदलाल देवड़ा की " → फतेहपुर सीकर

फतेह चंद की " → " "

बच्छावतों की " " → बीकानेर

पुरानी हवेली " " → बीकानेर

देवीकुंड → BKNR

→ पोद्दारों की हवेली → सीकर ✓
→ पसारी की हवेली → सीकर ✓
→ मोहन सिंह की हवेली → उदयपुर ✓
→ बिरला की हवेली → उदयपुर ✓
→ सोने चांदी की हवेली → महनसर - झुंझुनू ✓
→ मण्डावा की हवेली → झुंझुनू ✓
→ सुराणों की हवेली → चुरू ✓

बिड़ला मंदिर → जयपुर

सुराणीमाता मंदिर → बीकानेर → सुराणों की हवेली

राजस्थान की प्रमुख छतरियां

→ रामदालो

- → संत रैदास जी की छतरी → चित्तौड़गढ़
- → कल्ला जी राठौड़ की छतरी → चित्तौड़गढ़ → भैरवपोल के पास
- → अमरसिंह प्रथम की छतरी → आहड़ → पहली छतरी → अमरसिंह/आनागाह
- → महाराणा प्रताप की छतरी (8 खम्भों की) → बाडौली सलुम्बर (पहले उदयपुर)
- → महाराणा सांगा की छतरी (8 ") → माण्डलगढ़ भीलवाड़ा → अशोक परमार
- → फत्ता सिसोदिया की छतरी → चित्तौड़गढ़ दुर्ग
- → जयमल राठौड़ की छतरी (6) चित्तौड़गढ़
- → जगन्नाथ कछवाह की " (32) माण्डलगढ़ भीलवाड़ा → नाहर नृत्य → भीलों
- →

→ पृथ्वीराज सिसोदिया (उड़ना राजकुमार) 12 खंभो की छतरी → कुंभलगढ़ दुर्ग

→ घोड़े चेतक | चेटक की छतरी → बलीचा गाव (राजसमन्द)

→ राजसिंह कुम्पावत की छतरी → कागा जोधपुर

नोट :- कागा की छतरिया → जोधपुर

→ राव मालदेव, राव गांगा, राव जोधा की छतरिया → पंचकुण्ड जोधपुर

नोट :- प्राचीनतम छतरी → राव गांगा की है जोधपुर मे

→ बख्तावर सिंह की छतरी → मण्डोर जोधपुर

→ मामा भांजा की छतरी (धन्ना | भींया) → जोधपुर

→ गोराधाय की छतरी → मण्डोर (जोधपुर)

→ ~~राव चन्द्रसेन~~ की छतरी → सारण की पहाड़ीया पाली

देवकुण्ड छतरिया । बीकानेर

ईश्वरी [illegible] छतरी

गैटोर की छतरियां → जयपुर : जयपुर शासकों की शमशान भूमि

राजामान सिंह की छतरी → हाड़ीपुरा गांव (जयपुर)

→ जैत्रसिंह की 32 खंभों की छतरी → रणथंभोर दुर्ग स॰ माधोपुर
→ हम्मीर देव चौहान के पिता जैत्रसिंह
→ न्याय की छतरी

→ कुत्ते की छतरी → रणथंभोर

→ अकबरी छतरी → बयाना दुर्ग

→ बोहरा की छतरी → करौली → यहां पुश्तैनी बिमारियों का इलाज किया जाता है।

→ एक खंभे की छतरी → स॰ माधोपुर

→ अमर सिंह राठौड़ की छतरी → (16 खंभों) नागौर

→ लाछा गुजरी की छतरी → नागौर

→ जोध सिंह की (32 खंभों) की छतरी → बदनौर (ब्यावर)

बंजारों की छतरी → लालसोट दौसा

नोट :- यहां प्राचीनतम बौद्ध स्तूप मिले है। → झालावाड़

जयप्पा सिंधिया की छतरी → ताउसर (नागौर)

नाथु सिंह की छतरी → शाहबाद बारां

केसर बाग की छतरी → बुन्दी (66 छतरियां) क्षार बाग की छतरी

80 खंभो की छतरी → अलवर (मुस्सी महारानी की छतरी) → ① दो मंजिला ②

84 खंभो की छतरी → बुंदी (देवपुरा गांव में) बुन्दी शासक अनिरुद्ध सिंह कि समय बनी थी

↳ यह छतरी तीन मंजिला है।

↳ यह छतरी शिव की उपासना से निर्मित है।

↳ इसमें पशु पक्षी और कामसूत्र का चित्रांकन है।

→ संत पीपा की छतरी → गागरोण दुर्ग झालावाड़

महत्वपूर्ण टॉपिक

महाराणाप्रताप, महाराणा सांगा → मेवाड़.
जसवन्त सिंह मालदेव → मारवाड़.
महाराजा रायसिंह → BKNR

मिर्जाराजामानसिंह
जयसिंह I | II
स्वाई प्रतापसिंह
रामसिंह
→ जयपुर कछवाह राजवंश

भाषा | बोलियाँ
साहित्य
हस्तकला
चित्रकला

लोक देवता
संत सम्प्रदाय
त्यौहार | मेले
लोक नृत्य
लोक गीत
दुर्ग

आधुनिक राज०
1857 की क्रान्ति
प्रजामण्डल
किसान आंदोलन
व्यक्तित्व
स्कीमें